संख्या–10 –VIP /II–2007–17(14)/2004

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई विभाग, देहरादूनः दिनांकः 22 जनवरी, 2008

विषयः– सिंचाई से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु प्रत्येक बुधबार को जन समस्याओं सुनने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा सदैव इस बात पर बल दिया जा रहा है कि प्रदेश में हरित कान्ति लाने के उद्देश्य से "सिंचाई बढ़ायें, खुशहाली लायें," नारे को धरातल पर चरितार्थ किया जाय, इस उद्देश्य को पूर्ण करने हेतु सिंचाई कार्य में गति एवं दक्षता लाने तथा जनतन्त्र की आंकाक्षाओं के अनुरूप सर्व सुलभ सेवा उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं।

2– प्रदेश की जनता को सर्व सुलभ सेवा उपलब्ध कराने तथा जन समस्याओं का तत्परता से निराकरण किये जाने के क्रम में सिंचाई विभाग के अधिकारियों को सप्ताह के प्रत्येक बुधबार को अपने कार्यालय में जनसमस्यायें सुनकर उनका स्थल पर ही निराकरण करने तथा मासिक रूप से ऐसे मामलों की समीक्षा कर जनसमस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देकर निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

भवदीय,

(शत्रुघ्न सिंह)
सचिव।

संख्या–10 – VIP /II–2007–17(14)/2004, तद्दिनांक।

1–प्रतिलिपि निजी सचिव मा0 सिंचाई मंत्री को मा0 सिंचाई मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2–प्रतिलिपि समस्त प्रभारी मुख्य अभियन्ता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
3–प्रतिलिपि समस्त अधीक्षण अभियन्ता, सिचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
4–निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर।
5–गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

24.01.08
(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव।